उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग
पिकप भवन, तृतीय तल, गोमती नगर, लखनऊ।
संख्या-514/01/चार/आयोग/2021टी0सी0
लखनऊ दिनांक- 13 सितम्बर, 2023

आवश्यक सूचना

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ के विज्ञापन संख्या- 01-परीक्षा/2023, ग्राम पंचायत अधिकारी मुख्य परीक्षा-(प्रा0अ0प0-2022)/01 के अंतर्गत **निदेशक, पंचायतीराज, उत्तर प्रदेश, लखनऊ** के नियंत्रणाधीन **ग्राम पंचायत अधिकारी** के सीधी भर्ती के रिक्त कुल 1468 पदों पर चयन हेतु भारत के नागरिकों से दिनांकः 23-05-2023 से 12-06-2023 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये थे।

उपर्युक्त के क्रम में सूच्य है कि शासन के पत्र दिनांक- 06-09-2023 द्वारा उक्त विज्ञापन में विज्ञापित पदों पर लिखित परीक्षा के लिए परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

अतः आयोग के विज्ञापन संख्या- 01-परीक्षा/2023 ग्राम पंचायत अधिकारी मुख्य परीक्षा-(प्रा0अ0प0-2022)/01 के अंतर्गत आवेदन करने वाले समस्त अभ्यर्थियों के सूचनार्थ ग्राम पंचायत अधिकारी के रिक्त पदों पर चयन हेतु शासन द्वारा अनुमोदित लिखित परीक्षा हेतु परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम प्रकाशित किया जा रहा है।
संलग्नक- उपरोक्तानुसार।

(विधान जायसवाल)
परीक्षा नियंत्रक।

संख्या-562/47-का-3-2023

प्रेषक,

राम आसरे राम,
उप सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

सचिव,
उ0प्र0 उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग,
लखनऊ।

कार्मिक अनुभाग-3 लखनऊ: दिनांक 06/09/2023

विषय:- ग्राम पंचायत अधिकारी पद की प्रस्तावित मुख्य परीक्षा हेतु परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम की स्वीकृति/ अनुमोदन के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-491/46/चार/आयोग/2023 टी0 सी, दिनांक 18.08.2023 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा ग्राम पंचायत अधिकारी पद की प्रस्तावित मुख्य परीक्षा हेतु परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम की स्वीकृति/अनुमोदन प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कार्मिक अनुभाग-3 की अधिसूचना दिनांक 11.05.2015 द्वारा प्रख्यापित **उ0प्र0 समूह 'ग' के पदों के लिए सीधी भर्ती (रीति एवं प्रक्रिया) नियमावली, 2015 के नियम-8(1)** के प्राविधानों के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अधिकारी पद की प्रस्तावित मुख्य परीक्षा हेतु निम्नवत् परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम की स्वीकृति प्रदान की जाती है:-

ग्राम पंचायत अधिकारी के रिक्त पदों पर चयन हेतु लिखित परीक्षा की परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम

लिखित परीक्षा एक पाली की होगी, जिसमें प्रश्नों की कुल संख्या 100 तथा समयावधि दो घण्टा होगी। परीक्षा के प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। लिखित परीक्षा हेतु ऋणात्मक अंक (निगेटिव मार्क) दिए जायेंगे, जो प्रत्येक गलत उत्तर पर उस प्रश्न के पूर्णांक का ¼ अर्थात 25 प्रतिशत अंक होंगे।

परीक्षा योजना

परीक्षा के विषय, प्रश्नों की संख्या, निर्धारित कुल अंक और दिया गया समय नीचे दिये गये विवरण के अनुसार होगा-

क्रमांक	विषय	प्रश्नों की संख्या	निर्धारित कुल अंक	समयावधि
भाग-1	**(i)**पंचायतीराज व्यवस्था का इतिहास तथा उसके संबंध में संवैधानिक उपबन्ध	10	10	120 मिनट (2 घण्टा)
	(ii)पंचायतों का वर्तमान स्वरूप (उत्तर प्रदेश राज्य के परिप्रेक्ष्य मे)	10	10	
	(iii)पंचायतों के वित्तीय स्त्रोत व कार्य योजना	10	10	
	(iv)पंचायतीराज व्यवस्था को सशक्त करने के उपाय	05	05	
	(v)ग्रामीण विकास योजनाएं एवं कार्यक्रम (उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में)	20	20	
	(vi)ग्राम पंचायत अधिकारियों की ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में भूमिका	10	10	
भाग-2	कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणाओं एवं इस क्षेत्र में समसामयिक प्रौद्योगिकी विकास एवं नवाचार का ज्ञान	15	15	

भाग-3	उत्तर प्रदेश राज्य से संबंधित सामान्य जानकारी	20	20	
	योग	**100**	**100**	

नोट- उपर्युक्त परीक्षा हेतु प्रत्येक गलत उत्तर के लिए निगेटिव मार्किंग (ऋणात्मक अंकन) का प्राविधान है, जो प्रश्न हेतु निर्धारित अंक का 25 प्रतिशत अर्थात ¼ होगी ।

पाठ्यक्रम

भाग-1

1. पंचायतीराज व्यवस्था का इतिहास तथा उसके संबंध में संवैधानिक उपबन्ध

परम्परागत पंचायतें तथा ब्रिटिशकाल की पंचायत व्यवस्था, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद की पंचायती राज व्यवस्था, पंचायतीराज व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु गठित समितियाँ एवं उत्तर प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, पंचायतीराज व्यवस्था का संवैधानिक आधार तथा उत्तर प्रदेश राज्य में पंचायतीराज व्यवस्था संबंधी संवैधानिक उपबन्ध, व्यवस्थायें एवं महत्वपूर्ण संशोधन।

ii. **पंचायतों का वर्तमान स्वरूप (उत्तर प्रदेश राज्य के परिप्रेक्ष्य में)**

उत्तर प्रदेश राज्य में पंचायत संस्थानों के संबंध में विधायी प्राविधान, स्वरूप व शक्तियां, पंचायतों में निर्वाचन/आरक्षण की व्यवस्था, राज्य निर्वाचन आयोग की पंचायत निर्वाचन में भूमिका, ग्राम पंचायतों का गठन/पंचायतों की समितियाँ, ग्राम पंचायतों के अधिकार/दायित्व एवं कर्तव्य, पंचायतीराज व्यवस्था : चुनौतियाँ एवं समाधान।

iii. **पंचायतों के वित्तीय स्त्रोत व कार्य योजना**

पंचायत स्तर पर संगृहीत किये जाने वाले कर, उपकर व आय के अन्य स्रोत, राज्य वित्त आयोग की संरचना, अधिकार व क्रियाकलाप, केन्द्रीय वित्त आयोग और पंचायती संस्थाओं के वित्तीय सशक्तीकरण में उसकी भूमिका, केन्द्र

सरकार की प्रदर्शन अनुदान योजना (Performance Grant Scheme), ग्राम पंचायत विकास योजना, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पंचायतों के वित्तीय सशक्तीकरण हेतु उठाये गए कदम।

iv. **पंचायतीराज व्यवस्था को सशक्त करने के उपाय**

पंचायत सिटीजन चार्टर, पंचायत सचिवालय/ग्राम सचिवालय तथा पंचायत सहायक की भूमिका, कॉमन सर्विस सेंटर की पंचायत भवन में सहस्थापना, पंचायत स्तर पर जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन, पंचायतों में ई-गवर्नेन्स की स्थापना, परिवार रजिस्टर एवं जन्म-मृत्यु पंजीकरण।

v. **ग्रामीण विकास योजनाएं एवं कार्यक्रम (उत्तर प्रदेश राज्य के परिप्रेक्ष्य में)**

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (RGSA), स्वच्छ भारत मिशन एवं ग्रामीण पेयजल योजना (फेज-1 एवं फेज-2), ग्रामीण स्वास्थ्य योजनाएं, भारत सरकार, पंचायतीराज विभाग एवं उत्तर प्रदेश सरकार के अन्य विभागों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित अन्य योजनायें एवं कार्यक्रम।

vi. **ग्राम पंचायत अधिकारियों की ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में भूमिका**

ग्राम पंचायत के सचिव के रूप में, जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिकारी के रूप में, आदर्श ग्राम पंचायत बनाने में भूमिका, आत्मनिर्भर ग्राम पंचायत बनाने में भूमिका।

भाग-2

कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणाओं एवं इस क्षेत्र में समसामयिक प्रौद्योगिकी विकास एवं नवाचार का ज्ञान

कम्प्यूटर एवं सूचना तकनीकी का परिचय, हार्डवेयर, साफ्टवेयर, ऑपरेटिंग सिस्टम, स्प्रेडशीट, ई-मेल, सोशल नेटवर्किंग, ई-गवर्नेंस की जानकारी, डिजिटल वित्तीय उपकरण और अनुप्रयोग, इण्टरनेट एवं वर्ल्ड वाइड वेब (WWW)का परिचय, भविष्य के कौशल और साइबर सुरक्षा का अवलोकन, वर्ड प्रोसेसिंग के तत्व तथा कम्प्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में होने वाले तकनीकी विकास एवं नवाचार (आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स, बिग डेटा प्रोसेसिंग,

डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग, इण्टरनेट ऑफ थिंग्स) पर आधारित तथा इस क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ।

भाग-3

उत्तर प्रदेश राज्य से संबंधित सामान्य जानकारी

उत्तर प्रदेश का विशिष्ट ज्ञान-इतिहास, संस्कृति, कला, वास्तुकला, त्योहार, लोक नृत्य, साहित्य, क्षेत्रीय भाषायें, विरासत, सामाजिक रीति-रिवाज और पर्यटन, भौगोलिक परिदृश्य एवं पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन, जलवायु, मिट्टी, वन, वन्यजीव, खान और खनिज, उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था, कृषि, उद्योग, व्यवसाय और रोजगार, राजव्यवस्था, प्रशासन, समसामयिक घटनाओं एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश राज्य की उपलब्धियाँ।

Exam Plan

The subjects of examination, number of questions, total marks prescribed and given time will be as per the details given below-

Serial Number	Subject	Number of Questions	Fixed Total Marks	Time Period
Part-1	i. History of Panchayati Raj system and Constitutional provisions regarding them	10	10	120 Minutes (2Hours)
	ii. Present Form of Panchayats (in the context of state of Uttar Pradesh)	10	10	
	iii. Financial sources and action plan of Panchayats	10	10	
	iv. Measures to strengthen the Panchayti Raj system	05	05	
	v. Rural Development Schemes and Programs (in the context of state of Uttar Pradesh)	20	20	

	vi. Role of Gram Panchayat Officers in the development of rural areas	10	10	
Part-2	Knowledge of concepts of computer and information technology and contemporary technology development and innovation in this field	15	15	
Part-3	General information related to the state of Uttar Pradesh	20	20	
	Total	100	100	

Note- There is a provision of negative marking for each wrong answer in the above examination, which will be 25 percent i.e. ¼ of the prescribed marks of the question.

Syllabus

Part-1

i. History of Panchayati Raj system and constitutional provisions regarding them

Traditional Panchayats and British Era Panchayat System, Panchayati Raj System after Independence, Committees formed for the strengthening of Panchayati Raj System and Uttar Pradesh Panchayati Raj Act, Constitutional basis of Panchayati Raj system and constitutional provisions, arrangements and important amendments related to Panchayati Raj system in the state of Uttar Pradesh.

ii. Present Form of Panchayats (in the context of state of Uttar Pradesh)

Legislative provision, form and powers of Panchayat institutions, Election/reservation system in Panchayats, Role of State Election Commission in Panchayat Election, Constitution of Gram Panchayats/Committees of Panchayats, Rights/Responsibilities and Duties of Gram Panchayats in the context of Uttar Pradesh, Panchayati Raj System: Challenges and Solutions.

iii. Financial sources and action plan of Panchayats

Taxes &cess collected at Panchayat level and other sources of income. Structure, powers and activities of the State Finance Commission, Central Finance Commission and its role

in financial empowerment of Panchayat Institutions, Performance Grant Scheme of the Central Government, Gram Panchayat Development Plan, Steps taken by the Government of Uttar Pradesh for financial empowerment of Panchayats.

iv. Measures to strengthen the Panchayati Raj system

Panchayat Citizen Charter, Panchayat Secretariat/Gram Secretariat and role of Panchayat Sahayak, Co-establishment of Common Service Center in Panchayat Bhavan, Implementation of Public Welfare Schemes at Panchayat level, Establishment of e-Governance in Panchayats, Family Register and Birth - Death Registration.

v. Rural Development Schemes and Programs (in the context of state of Uttar Pradesh)

Rashtriya Gram Swaraj Abhiyan (RGSA), Swachh Bharat Mission and Rural Drinking Water Scheme (Phase-1 & Phase-2), Rural Health Schemes, Other schemes and Programs in rural areas run by Government of India, Panchayati Raj Department and other departments of Government of Uttar Pradesh.

vi. Role of Village Panchayat Officers in the development of Rural Areas

Role as Secretary of the Gram Panchayat, as Birth and Death Registration Officer, Role in making Adarsh Gram Panchayat, Role in making Self-Reliant Gram Panchayat.

Part-2

Knowledge of concepts of Computer and Information Technology and Contemporary Technological Development and Innovation in this field

Introduction of computer and information technology, knowledge of hardware, software, operating system, spreadsheet, e-mail, social networking, e-governance, digital financial tools and applications, Internet and World Wide Web (WWW). Introduction, future skills and overview of cyber security, elements of word processing, technological

development and innovation in the field of computer and information technology (Artificial Intelligence, Big Data Processing, Deep Learning, Machine Learning, Internet of Things) and India's achievements in this field.

Part-3

General information related to the state of Uttar Pradesh

Specific knowledge of Uttar Pradesh – History, Culture, Art, Architecture, Festivals, Folk Dance, Literature, Regional Languages, Heritage, Social Customs and Tourism, Geographical Landscape and Environment, Natural Resources, Climate, soil, Forest, Wildlife, Mines And Minerals, Economy Of Uttar Pradesh, Agriculture, Industry, Business and Employment, Polity, Administration, Current Events and Achievements Of Uttar Pradesh In Various Fields.

Signed by राम आसरे राम
भवदीय
Date: 06-09-2023 14:16:48
Reason: Approved
(राम आसरे राम)
उप सचिव।